श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : मेरा निवेदन यह है कि हम आप से संरक्षण चाहते हैं और मेरा यह अधिकार है कि मैं पूरक प्रश्न पूछ सकता हूं। माननीय मंत्री जी को चाहिये था कि उत्तर देने से पहले सारा इस्टीमेट मंगवाते और सारी इन्फारमेशन या तो अपने पास रखते या फिर वे अगली तारीख के लिए जवाब को रखते।

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: I have already done that, Sir. I have a long list which covers 2½ pages which has been laid on the Table of the House. If there is any omission therein, which is not in my knowledge, if it is brought to my notice by the hon. Member I can ask only the State Government concerned.

SHRI N. C. KASLIWAL: May I know, Sir, what is the total amount of loan that has been advanced to the State in respect of this project?

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM. The amount of loans so far advanced?

SHRI N C. KASLIWAL: Yes.

MR. CHAIRMAN: How much loan has been advanced till now—that is what he wants to know.

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: I want notice. I said that the figure is not available at present.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्री जी बतलायेंगे कि अभी तक किस किस सरकार का कितना कितना रुपया खर्च हो चुका है ?

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: The entire amount spent so far is not given here. Only half and half is given.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : कितनी सिंचाई की क्षमता उसकी हो चुकी है और एक्चुअल कितनी सिंचाई हो रही है ?

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: It will come to the extent of 14 lakh acres.

'नारू' की बीमारी

*१५८. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि

(क) देश के किन किन क्षेत्रों में जनता 'नारू' की बीमारी से पीड़ित रहती है; और

(ख) उक्त बीमारी के उन्मूलन के लिये सरकार क्या योजना अपनाना चाहती है ?

†['NARU' DISEASE

*158. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) the names of the regions in the country where people suffer from the 'Naru' disease; and

(b) what plan Government propose to adopt to eradicate the said disease?]

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : (क) और (ख) अपेक्षित सूचना का एक विवरण सभापटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) नारू अथवा गिनी-वर्म का संक्रमण राजस्थान के बहुत से क्षेत्रों में, महाराष्ट्र, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, मद्रास, मध्य प्रदेश, मैसूर, पंजाब और जम्मू और काश्मीर के कुछ भागों में तथा पाण्डिचेरी के अलकुप्पोम गांव में व्याप्त है।

(ख) नारू अथवा गिनी-वर्म पर नियन्त्रण तथा उसका उन्मूलन विशेषतया तभी हो सकता है जब सुरक्षित पेय जल प्रदाय की व्यवस्था हो, स्टेप-कुए समाप्त किये जाये

† [ ] English translation.

तथा ऐसे उपाय बरते जायें कि इस रोग से पीड़ित व्यक्ति पेय जल को अपने रोग-ग्रस्त अंगों से दूषित न कर सके ।

राष्ट्रीय जल प्रदाय एवं स्वच्छता कार्यक्रम के अधीन भारत सरकार ने ऐसे क्षेत्रों में जहां जल तथा गन्दगी से पैदा होने वाले रोग अधिकांश होते हैं, सुरक्षित जल प्रदाय की व्यवस्था को उच्च प्राथमिकता दी है ।

राजस्थान में, जहां यह रोग अधिक प्रबल है, राष्ट्रीय जल प्रदाय एवं स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत स्टेप-कुओं को स्वच्छ कुओं में बदलने की ओर विशेष ध्यान दिया गया है ।

मद्रास में, राज्य सरकार ने अगस्त, १९५९ में केन्द्रीय सहायता से नारू रोग के नियंत्रण तथा उन्मूलन का एक द्विवर्षीय कार्यक्रम स्वीकृत किया है । इस कार्यक्रम पर होने वाले खर्च का आधा भाग भारत सरकार और आधा भाग राज्य सरकार ने वहन किया ।

†[THE MINISTER OF HEALTH (DR. SUSHILA NAYAR): (a) and (b) A statement giving the requisite information is laid on the Table of the Sabha.

STATEMENT

(a) The infection of 'Naru' or Guinea-worm disease is prevalent in large areas of Rajasthan, in some parts of Maharashtra, Gujarat, Andhra Pradesh, Madras, Madhya Pradesh, Mysore, Punjab and Jammu and Kashmir, and Alankuppam village in Pondicherry.

(b) The control and eradication of 'Naru' or Guinea-worm disease can be achieved largely through provision of a safe drinking water supply, abolition of step-wells, and measures to prevent contamination of drinking water by infected persons through immersion of affected parts.

The Government of India under the National Water Supply and Sanitation Programme have given the highest priority to the provision of a safe water supply in areas where water and filth-borne diseases are most prevalent.

In Rajasthan, where the disease is more prevalent, special attention has been devoted to the conversion of step-wells into sanitary wells under the National Water Supply and Sanitation Programme.

In Madras, the State Government, in August, 1959 sanctioned a two-year programme for the control and eradication of Guinea-worm disease with Central assistance. The expenditure on this programme was shared by the Government of India and the State Government on a 50:50 basis.]

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्राणी महोदया बतलायेंगी कि इस सूची-पत्र में, अभी तक जो कार्यवाही हुई है उसकी जानकारी दी हुई है, तो आगे भी कोई योजना इसकी की जाने वाली है अथवा नहीं ?

DR. SUSHILA NAYAR: Sir, as the statement says, the eradication of guinea-worm disease mainly depends upon the abolition of step-wells and the proper care of those tanks which are accessible to people, for a man with the disease may step into the water and infect it. The State Governments are taking steps to remedy this situation according to their resources.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या श्रीमती जी को यह ज्ञात है कि १२ वर्ष बीत जाने के बाद भी . . .

एक माननीय सदस्य : वे कुमारी हैं ।

MR. CHAIRMAN: Please address the Chair.

†[ ] English translation.

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह जानकारी चाहता हूं कि इतने वर्ष बीत जाने के बाद अभी भी बहुत से मरीज़ इस मर्ज से पीड़ित है, इस लिए इसकी रोकथाम के लिए कोई विशेष कदम उठाया जाय, इस बारे में वे कोई योजना बना रही है ?

डा० सुशीला नायर : जी, हां, लाखों लोग इस रोग से पीड़ित है और दूसरे रोगों से भी पीड़ित हो रहे है। परिस्थिति को दुरुस्त करने के लिए, रोगों की रोकथाम करने के लिए, कई कार्यक्रम चल रहे हैं। कई चीज़ों में सफलता मिली है और कई चीजों में अभी बहुत सा काम बाकी है।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : उन्होंने जो स्टेटमेंट में दिया है, वे सारे के सारे प्रिवेंटिव मेज़र्स हैं। इसके बारे मे कोई क्युरेटिव मेजर भी इफेक्टिव हो और इसका तुरन्त इलाज हो सके, क्या इस बारे मे भी कोई जांच पड़ताल चल रही है ?

DR. SUSHILA NAYAR: There is no specific medicine which we can give and say it can cure guinea-worm disease. The various methods by which the worm is extracted very carefully and slowly are the only ones known so far. Researches are going on and various anti-biotics and other medicines have been tried. But they have not proved effective. We hope that we will find something better as time goes on.

गोबर से बिजली का पैदा किया जाना

*१५९. **श्री भगवत नारायण भार्गव** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्था ने गोबर से बिजली पैदा करने की एक मशीन तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो इस मशीन से कितनी बिजली कितने गोबर से पैदा होगी; और

(ग) सरकार इस बिजली का देश के विभिन्न स्थानों पर उपयोग करने के लिए क्या कार्यवाहियां करने का इरादा रखती है ?

†[GENERATION OF ELECTRICITY FROM COWDUNG

*159. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Indian Agricultural Research Institute has produced a machine for generating electricity from cowdung;

(b) if so, the quantum of electricity that will be generated from this machine and the quantum of cow-dung needed for the same; and

(c) what steps Government propose to take to utilize this power in various places in the country?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री एस० के० पाटिल) : (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं होते।

†[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI S. K PATIL): (a) No

(b) and (c) Do not arise]

श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या गवर्नमेंट का विचार है कि गोबर से बिजली पैदा करने की योजना का प्रचार देश में किया जावे ?

†[ ] English translation.